



पर्यावरणीय प्रकोप (Environmental Hazards)

“पर्यावरणीय प्रकोप अथवा आपदा (Environmental Hazards) के अप्रत्याशित भवावही प्राकृतिक व मानव-जन्य घटनाएँ हैं जिनमें मानव को असह्य हानि होती है तथा किसी समय सीमा के अन्दर या बाद में घटित होती है। समायोजन या समाकूलन को कठिन बनाते हैं इससे धन-जन तथा जीवन आदि की हानि होती है।”

“Environmental hazards may be defined as those extreme events either natural or man-induced which exceeds the tolerable magnitude within or beyond certain time, made adjustment difficult, result in catastrophic losses or property income and lives.”

इस प्रकार पर्यावरणीय प्रकोप (Environmental hazards) पर्यावरणीय आघात (Environmental stress) या पर्यावरणीय संकट शब्द एक ही या अन्य प्रकार से प्रयोग किये जाते हैं जिनमें समानता तथा अन्तर पाया जाता है। केवल अन्तर अप्रत्याशित प्रक्रिया (Casual factors) तथा परिणाम (Results or Responses) पर निर्भर करता है।

“Hazards are generally taken to the processes, both natural or anthropogenic, which cause an accident/extreme event or danger whereas extreme is a sudden adverse or unfortunate extreme event which causes great danger to human beings as well as plant and animals. Thus environmental hazards are the processes. Whereas environmental disaster are the result or responses of environmental hazards.”

अतः पर्यावरणीय प्रकोप (Environmental Hazards) एक प्रक्रिया है।

पर्यावरणीय प्रकोप तथा विनाश के प्रकार (Type of Environmental Hazards and Disasters)

प्रायः संकट तथा आपदाओं को आपत्तिकारक घटकों के आधार पर दो भागों में विभक्त किया जा सकता है—

- (1) प्राकृतिक प्रकोप तथा विनाश (Natural Hazards) तथा
- (2) मानव जन्य/प्रभूत संकट तथा आपदा (Man-induced or Man-made Hazards and disasters)

अमेरिकन प्लेट, अफ्रिकन प्लेट, भारतीय प्लेट, प्रशान्त प्लेट तथा अन्टार्कटिका प्लेट से बनी हैं। इसके अतिरिक्त भी 20 गौण प्लेट्स हैं। ये सभी प्लेट्स पृथ्वी की आन्तरिक उष्मा के कारण इधर-उधर खिसकती हैं जिनके कारण भूकम्प उत्पन्न हो जाते हैं।

(4) मानवीय क्रिया-मनुष्य जब कभी किसी प्रकार का विस्फोट करता है तो स्वभाव से उस स्थान के आस-पास भी कम्पन्न का अनुभव किया जाता है।

भूकम्प के प्रभाव

(Effect of Earthquake)

विनाश/प्रकोप उत्पन्न करने वाले भूकम्पीय प्रभावों को उनकी शक्ति से तो मापा जाता परन्तु भूकम्प से किसी क्षेत्र में कितनी हानि हुई है, मुख्य मापक है। भूकम्प के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रभाव-भूधरातल पर विकृति उत्पन्न करना, मानवीय संरचनाओं को नष्ट करना, भवनों, सड़कों, पुलों, वाँधों, कारखानों तथा नगरों को नष्ट करना आदि है।